Phil 3:12-16
फिलिप्पियों ३ : १२- १६

Bryan Chapell
ब्रायन चैपल

11.20.16
११.२०.१६

Introduction: Pressing on toward the goal.
प्रस्तावना : लक्ष्य की तरह आगे बढ़ना

Key Question: How do we press on toward the goal of a mature relationship with Christ, despite our imperfections?
मुख्य सवाल : प्रभु यीशु के साथ परिपक्व संबंध का हमारे लक्ष्य की तरफ हम कैसे आगे बढ़ सकते है?

I. Don't claim that you have arrived (v12a)
ऐसा दावा नहीं करो कि आप सब पा चुका हूं (व् १२ आ)

A. Acknowledge your life's imperfection (v12b)
अपने जीवन की "अपूर्णता" को समझे (व् १२ बी)

B. Affirm your hearts direction (v12c)
अपने हृदय की दिशा को दृढ़ करो (व् १२ सी)

C. Affirm your hearts motivation (v12d)
अपने हृदय की प्रेरणा को दृढ़ करो (व् १२ डी)

II Don't Let Your Memories Catch up with you (v13)

"focus by forgetting…"
"भूल, भूल ने पर लक्ष्य करो"

A. Past Accomplishments - that would diminish your gratitude
गत उपलब्धि – जो तुम्हारी कृतज्ञता को कम करे

(e.g. Paul's accomplishments in v5-6)
(पौलुस की उपलब्धि - व् ४-५)

B. Past Failures – that would eclipse God's grace
गत विफलताओं - जो परमेश्वर के किरपा को छिपा दे

(e.g. Paul's zeal for persecuting the church in v6b)

II. Keep Your Eyes on the Prize = "Straining forward (v13b)
इनाम की और लक्ष्य करो = आगे की बातों की ओर बढ़ना (व् १३ बी)

A. Believe you have an “Upward Call” (v14a)
आपके “ऊपर के बुलावे” को जाने (व् १४ आ)

B. Believe you have an “Anointed” Purpose (v14b)
आपके अभिषिक्त उद्देश्य को जाने (व् १४ बी)

-trusting God to reveal your purpose (v15)
अपना उद्देश्य प्रत्यक्ष करने के लिए परमेश्वर पर भरोसा रखो (व् १५)

C. Believe you are Already Home (v16)
भरोसा रखो की तुम “घर” पर हो

Conclusion: Abraham Lincoln’s thanksgiving Proclamation
निष्कर्ष : अब्राहम लिंकन का थैंक्सगिविंग घोषणा